में अब तक कितना-कितना कपड़ा किस-किस प्रकार का और किन-किन देशों को निर्यात किया गया है और उससे अब तक कितनी विदेशी मुद्रा प्राप्त हुई है;

(ख) अगले 10 वर्षों में कपड़े के निर्यात से विदेशी मुद्रा अर्जित करने के संबंध में क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है और सरकार ने इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु कौन-कौन से कदम उठाये हैं;

(ग) कपड़े/कपास/सूती धागे के निर्यात से देश के घरेलू बाजार में कपड़े की कीमतों पर क्या सम्भाव्य प्रभाव पड़ेगा; और

(घ) क्या सरकार ने कपास उत्पादकों को उनकी फसल का लाभदायक मूल्य उपलब्ध कराने हेतु कोई कदम उठाए हैं; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और उन्हें कब से कार्यान्वित किया जाएगा?

वस्त्र मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी): (क) वर्ष 1993-94, 1994-95 तथा 1995-96 दिसम्बर, 95 तक) के दौरान भारत से कपड़े फाईबर-वार) के निर्यातों से अर्जित विदेशी आय निम्न प्रकार है:—

मिलियन अमरीकी डालर

	1993-94	1994-95	1995-96
		(दिसम्बर,	95 तक)
सूती कपड़ा	760.80	1020.95	818.19
सिंथेटिक कपड़ा	372.68	475.23	380.54
ऊनी कपड़ा	14.34	17.21	26.42

भारत से कपड़े का निर्यात कई देशों को किया जाता है। हमारे कपड़े के प्रमुख आयातक ई०यू० राष्ट्र, संयुक्त राष्ट्र अमरीका, दुबई, बंगलादेश, सिंगापुर तथा साउदी अरब हैं।

(ख) निर्यात लक्ष्य वर्ष दर-वर्ष आधार पर निर्धारित किए जाते हैं। अगले दस वर्षों के लिए कोई विशिष्ट निर्यात लक्ष्य निर्धारित नहीं किए गए हैं। सरकार ने हमारे वस्त्र निर्यातों को बढ़ाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं जिनमें निर्यातकों को क्रेता-विक्रेता बैठकों, मेलों तथा प्रदर्शनियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना, निर्यात उत्पादन के लिए रियायती शुल्क पर पूंजीगत वस्तुओं का आयात करना, निर्यात उत्पादन के लिए अपरिष्कृत सामग्रियों के शुल्क-मुक्त आयात के लिए विशेष व्यवस्था करना, निर्यात ऋण आदि के लिए अधिक उपलब्धता सुनिश्चित करना शामिल है।

(ग) देश में मांग आपूर्ति की स्थिति तथा कपास उपजकर्ताओं सहित सूती वस्त्र उद्योग तथा साथ ही निर्यातकों के विभिन्न क्षेत्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए सरकार सीमित मात्रा में कपास तथा सूती यार्न के निर्यात की अनुमति देती है।

(घ) कपास उपजकर्ताओं को लाभप्रद कीमतें सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने 1995-96 के खरीफ मौसम के लिए अपरिष्कृत कपास की दो किस्मों अर्थात एफ-414/एच-777 तथा एच-4 के लिए न्यूनतम समर्थन कीमत की घोषणा पहले ही कर दी है। अपरिष्कृत कपास की अन्य किस्मों के लिए न्यूनतम समर्थक कीमतें सामान्य कीमत विभेदों के आधार पर घोषित की गई है। भारतीय कपास निगम (सी सी आई) बाजार कीमतों के न्यूनतम समर्थन कीमतों से कम होने की दशा में कीमत समर्थन अभियान शुरू करता है तथा सी सी आई महाराष्ट्र के अतिरिक्त सभी राज्यों के किसानों से सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य से काफी उंची कीमत पर कपास की खरीद करता है।

दामोदर घाटी निगम द्वारा विद्युत उत्पादन

11. **श्री जनेश्वर मिश्र:** क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार ने चालू वित्त वर्ष के दौरान दामोदर घाटी निगम के लिए कुल कितनी धनराशि स्वीकृत की है;

(ख) दामोदर घाटी निगम द्वारा प्रतिवर्ष कितने मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जाता है और सरकार को कितना शुल्क प्राप्त होता है;

(ग) क्या सरकार ने बिजली की दरों में वृद्धि करने का निर्णय किया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती उर्मिला चिमनभाई पटेल): (क) संशोधित अनुमान, 1995-96 के अन्तर्गत दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) का कुल योजना परिव्यय 329 करोड़ रुपये है।

(ख) विद्युत उत्पादन को मिलियन यूनिटों में आंका जाता है, जबकि मेगावाट, किसी विशेष दिन/समय पर

यूनिट द्वारा विद्युत उत्पादित करने की क्षमता है। दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) का सकल वार्षिक विद्युत उत्पादन 6913 मिलियन यूनिट है। वर्ष 1994-95 के दौरान दामोदर घाटी निगम द्वारा विद्युत की बिक्री से प्राप्त राजस्व 955.19 करोड़ रुपये है।

(ग) और (घ) दामोदर घाटी निगम ने दिनांक 1.1.1996 से एचटी विद्युत आपूर्ति की दरों में संशोधित किया है। दिनांक 1.1.1996 से 60% पार घटक और 0.85 के विद्युत घटक पर समग्र एचटी विद्युत आपूर्ति दर 179 पैसे/यूनिट (लगभग) है। बिहार और पश्चिम बंगाल के राज्य बिजली बोर्डों को एचटी विद्युत आपूर्ति दरों पर 10% की छूट की अनुमति प्रदान की गई है।

Wholesale Price Index

12. SHIR O.P. KOHLI: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether there has been an increase in the prices of 266 items out of the 447 items that constitute the basis for determining the wholesale price index, during 1995;

(b) if so, the details of the items whose prices had increased during 1995 and in what manner the prices of these items compare with those of 1992, 1993 and 1994;

(c) the reasons for the increase in the prices of these items; and

(d) the steps taken to check the rise in prices as also to bring them down?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (DR. DEBIPROSAD PAL): (a) Yes Sir,

(b) The number of commodities whose wholesale prices had increased, decreased or remained unchanged during the current financial year (April to December) is shown below in Table 1.

TABLE 1

Wholesale Prices Change in 1995-96

Price Change	Number of Commodities
(i) Prices declined	80
(ii) Prices remained unchanged	67
(iii) Prices increased:	
(a) less than 5%	87
(b) 5% to 10%	83
(c) 10% and above	107
(iv) Details not available	23
TOTAL	447

The magnitude of variation in the wholesale prices of major commodity groups in 1995 compared to 1994, 1993 and 1992 is shown in Table 2.

TABLE 2

	% increase from April to December			
All Commodities	4.3	8.6	8.2	6.6
Primary Articles	4.2	12.6	10.3	5.4
Fuel, Power, Light, etc.	−0.1	1.2	8.7	10.0
Manufactured products	5.2	7.8	6.8	6.7

(c) In the primary commodities groups, increase in minimum support prices to the farmers is the principal reason for some price increase in some of the primary commodities. Seasonal price changes also operate to raise or lower the prices of some of the primary commodities. As for commodities under administered pricing, there was little or no price increase in 1995-96.

(d) The important steps taken on both demand side and supply side to control